



भारत

का

←————→
सामान्य

अध्ययन



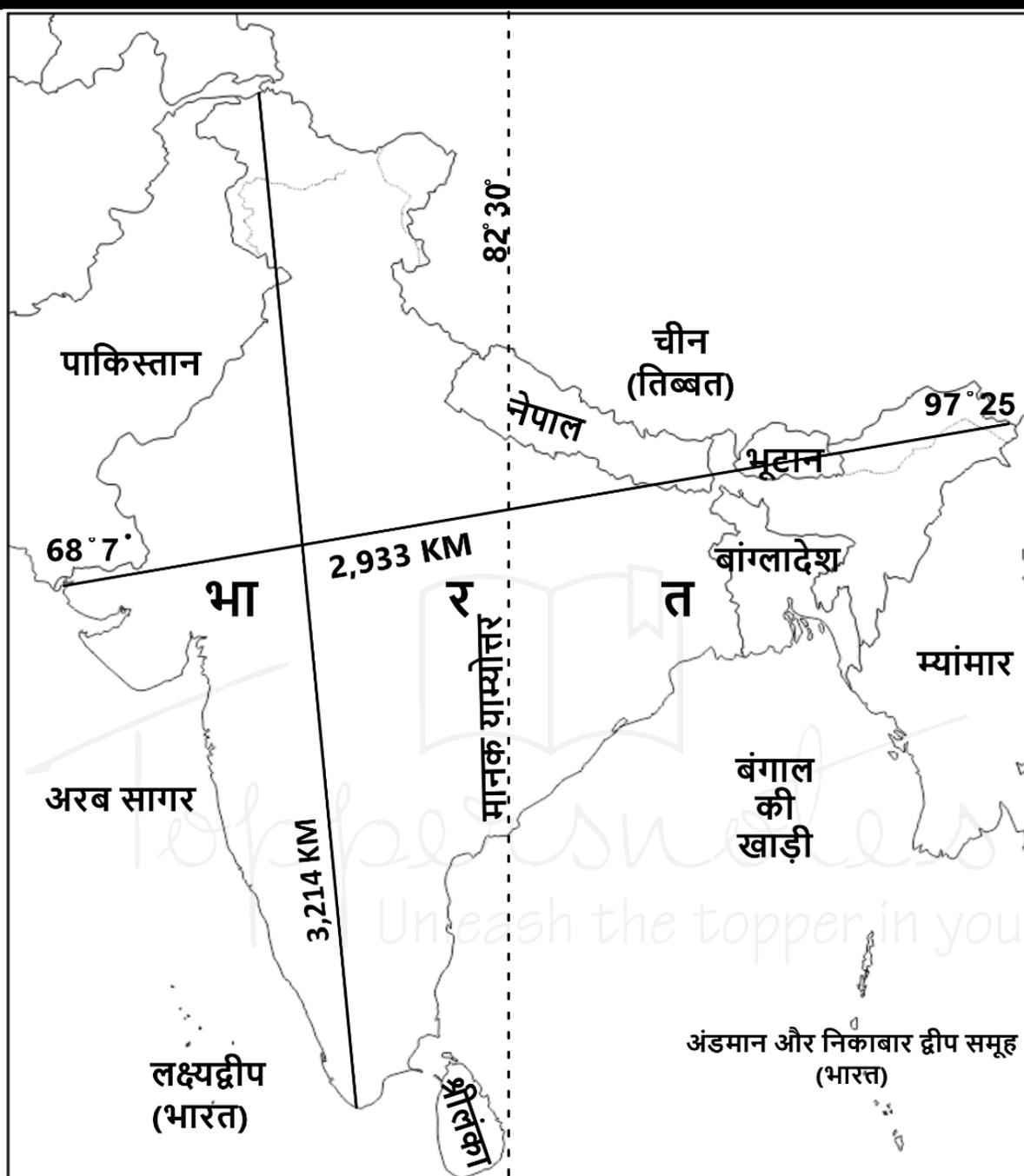
क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
भारत का भूगोल		
1.	भारत की स्थिति और विस्तार	1
2.	भारत के भौगोलिक प्रदेश	4
3.	भारत का अपवाह तंत्र	20
4.	भारत की जलवायु	28
5.	जैव विविधता संरक्षण	34
6.	प्रमुख फसलें और फसल पैटर्न	39
7.	भारत के खनिज संसाधन	46
8.	ऊर्जा संसाधन	53
9.	भारत के प्रमुख उद्योग एवं औद्योगिक क्षेत्र	62
10.	परिवहन	66
11.	विश्व भूगोल के महत्वपूर्ण तथ्य	70
भारत का इतिहास		
1.	प्राचीन इतिहास	78
2.	मध्यकालीन भारत	96
3.	आधुनिक भारत का इतिहास	111
भारतीय संविधान		
1.	भारतीय संविधान का ऐतिहासिक आधार	142
2.	संविधान सभा	144
3.	प्रस्तावना	145
4.	संविधान की विशेषताएँ	146
5.	मौलिक अधिकार	148
6.	राज्य के नीति-निदेशक तत्व	151
7.	मूल कर्तव्य	152
8.	संघवाद	153
9.	संघ सरकार (राष्ट्रपति)	155
10.	उपराष्ट्रपति	159

11.	महान्यायवादी	160
12.	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्	161
13.	संसद	163
14.	उच्चतम न्यायालय	168
15.	राज्य सरकार	172
16.	मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद्	175
17.	उच्च न्यायालय	175
18.	पंचायती राज	178
19.	जिला परिषद्	180
20.	शहरी स्थानीय-स्वशासन	181
21.	चुनाव आयोग	182
22.	संघ लोक सेवा आयोग	183
23.	केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण	183
24.	नियंत्रक व महालेखा परीक्षक	183
25.	C.B.I	184
26.	केन्द्रीय सतर्कता आयोग	184
27.	लोकायुक्त	185
28.	लोकपाल	185
भारतीय अर्थव्यवस्था		
1.	बजट निर्माण	186
2.	भारत में बैंकिंग	190
3.	लोक वित्त	209
4.	कर सुधार	216
5.	राष्ट्रीय आय	225
6.	आर्थिक संवृद्धि एवं विकास	233
7.	मौद्रिक नीति	238
8.	अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र	248
9.	हरित क्रांति	264
10.	भारत में योजनाएँ	268

अन्य सामान्य ज्ञान

1.	इतिहास, कला एवं संस्कृति	
2.	राजनीतिक व्यवस्था	
3.	अंतर्राष्ट्रीय विषय	
4.	अर्थव्यवस्था	
5.	भूगोल एवं पर्यावरण	
6.	विज्ञान	
7.	खेलकूद, महत्वपूर्ण व्यक्ति एवं व्यक्तित्व	
8.	समसामयिक विषय	

भारत की स्थिति और विस्तार



- उत्तरी गोलार्ध में स्थिति (8°4' उत्तर से 37°6' उत्तर अक्षांश ; पूर्व 68°7' से पूर्वी देशांतर 97°25')
- सीमाएं :
 - उत्तर: महान हिमालय
 - पश्चिम: अरब सागर
 - पूर्व: बंगाल की खाड़ी
 - दक्षिण: हिंद महासागर।
- विश्व का 7वां सबसे बड़ा देश।
- सबसे उत्तरी बिंदु : इंदिरा कोल
- सबसे दक्षिणी बिंदु: अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में इंदिरा पॉइंट।

- सबसे पूर्वी बिंदु: अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में किबिथू के पास
- पश्चिमीतम बिंदु: कच्छ में सर क्रीक, गुजरात में "गौहर माता" के पास।
- लंबाई: 3214 किमी
- चौड़ाई: 2933 किमी (अनुदैर्घ्य अंतर: 300 या 2 घंटे)
- क्षेत्रफल: 32,87,263 वर्ग किमी (दुनिया का 2.42%)
- जनसंख्या: विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश (विश्व की जनसंख्या का 17.5%)
- कुल भूमि सीमा = 15,200 किमी।

- कुल समुद्री सीमा = 7516.5 किमी (बिना द्वीपों के 6100 किमी)

विश्व में स्थान	देश का नाम	
	क्षेत्रफल के अनुसार	जनसंख्या के अनुसार
प्रथम	रूस	चीन
द्वितीय	कनाडा	भारत
तृतीय	चीन	यू.एस.ए
चतुर्थ	यू. एस. ए.	इंडोनेशिया
पंचम	ब्राजील	पाकिस्तान
शष्ठ	ऑस्ट्रेलिया	नाईजीरिया
सप्तम	भारत	ब्राजील
अष्टम	अर्जेन्टीना	बांग्लादेश

भारत के पाँच षीर्ष क्षेत्रफल वाले राज्य

क्र.सं.	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	राजस्थान	3,42,239
2.	मध्यप्रदेश	3,08,252
3.	महाराष्ट्र	3,07,713
4.	उत्तरप्रदेश	2,40,928
5.	गुजरात	1,96,024

भारत के शीर्ष क्षेत्रफल वाले 5 जिले

क्र.सं.	जिला	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	कच्छ	गुजरात	45,674
2.	लेह	लद्दाख	45,110
3.	जैसलमेर	राजस्थान	38,401
4.	बिकानेर	राजस्थान	30,247
5.	बाडमेर	राजस्थान	28,387

- सर्वाधिक राज्यों की सीमा को छूने वाला भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश है। उत्तर प्रदेश कुल 8 राज्य एवं 1 केन्द्र शासित प्रदेश से सीमा बनाता है।
 - उत्तराखण्ड
 - हरियाणा
 - दिल्ली (केन्द्र शासित प्रदेश)
 - हिमाचल प्रदेश
 - राजस्थान
 - मध्य प्रदेश
 - छत्तीसगढ़
 - झारखण्ड
 - बिहार
- भारत के कुल 9 राज्य एवं – केन्द्र शासित प्रदेश समुद्री तट से लगे हुए हैं।

राज्य

- गुजरात
- महाराष्ट्र
- गोवा
- कर्नाटक
- केरल

- तमिलनाडु
- आंध्र प्रदेश
- उड़ीसा
- पश्चिम बंगाल

केन्द्र शासित प्रदेश

- लक्षद्वीप
- अण्डमान निकोबार
- दमन और दीव
- पुदुच्चेरी (पांडिचेरी)

- हिमालय को छूने वाले 9 राज्य व 2 केन्द्र शासित प्रदेश हैं।

राज्य

- हिमाचल प्रदेश
- उत्तराखण्ड
- सिक्किम
- अरुणाचल प्रदेश
- नागालैंड
- मणिपुर
- मिजोरम
- त्रिपुरा
- मेघालय
- असम
- पश्चिम बंगाल

केन्द्र शासित प्रदेश

- जम्मू कश्मीर
- लेह

- भारत के 8 राज्यों से होकर कर्क रेखा गुजरती है।

राज्य

- गुजरात
- राजस्थान
- मध्य प्रदेश
- छत्तीसगढ़
- झारखण्ड
- पश्चिम बंगाल
- त्रिपुरा
- मिजोरम

- भारत का सर्वाधिक नगरीकृत राज्य गोवा है।
- भारत का सबसे कम नगरीकृत राज्य हिमाचल प्रदेश है।
- भारत का मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन वाला राज्य है।
- भारत का हरियाणा सबसे कम वन वाला राज्य है।
- भारत का मासिनराम (मेघालय) में सबसे अधिक वर्षा होती है।
- भारत के केन्द्र शासित प्रदेश लेह में सबसे कम वर्षा होती है।
- अरावली पर्वत सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है।
- हिमालय पर्वत सबसे नवीन पर्वत श्रृंखला है।

- पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी श्रीलंका को भारत से अलग करती है । पाक जलडमरूमध्य को पाक जल संधि के नाम से भी जाना जाता है ।
- मेकमोहन रेखा भारत और तिब्बत के बीच में स्थित है । यह रेखा 1914 में शिमला समझौते में निर्धारित की गयी थी ।
- डूरण्ड रेखा 1893 में सर डूरण्ड द्वारा भारत और अफगानिस्तान के बीच में डूरण्ड रेखा स्थापित की गई थी । परन्तु यह रेखा अब अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के मध्य है ।
- भारत और पाकिस्तान के बीच रेडक्लिफ रेखा है । रेडक्लिफ रेखा का निर्धारण 17 अगस्त, 1947 को सर सिरिल रेडक्लिफ की अध्यक्षता में सीमा आयोग द्वारा किया गया था ।

1. सीमावर्ती सागर –

- सीमावर्ती सागर क्षेत्र आधार रेखा से 12दउ तक स्थित है ।
- क्षेत्र में भारत का एकाधिकार है ।

2. संलग्न सागर –

- संलग्न सागर क्षेत्र आधार रेखा से 24दउ तक स्थित है ।
- इस क्षेत्र में भारत के पास वित्तीय अधिकार है ।

3. अनन्य आर्थिक क्षेत्र –

- अनन्य आर्थिक क्षेत्र आधार रेखा से 200दउ तक स्थित है ।
- इस क्षेत्र में भारत के पास आर्थिक अधिकार है तथा यहाँ भारत संसाधनों का दोहन, द्वीप निर्माण तथा अनुसंधान आदि कर सकता है ।

4. उच्च सागर

- यहाँ सभी देशों का समान अधिकार होता है ।

सीमावर्ती देश

- **उत्तर-पश्चिम:** अफगानिस्तान और पाकिस्तान
 - भारत-पाकिस्तान सीमा: **रेडक्लिफ रेखा**
 - पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा: **डूरंड रेखा**।
- **उत्तर:** चीन, भूटान और नेपाल
 - भारत-चीन सीमा: **मैकमोहन रेखा**।

- **पूर्व:** म्यांमार, बांग्लादेश (भारत की बांग्लादेश के साथ सबसे लंबी सीमा है)
- **दक्षिण:** पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी के माध्यम से श्री लंका से अलग।

अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करने वाले राज्य

- **बांग्लादेश:** कुल सीमा = 4096 किमी
 - **5 राज्य:** पश्चिम बंगाल, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा और असम
- **चीन:** कुल सीमा = 3488 किमी
 - **3 राज्य** और 1 केंद्र शासित प्रदेश: हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम और लद्दाख
- **पाकिस्तान :** कुल सीमा = 3323 किमी
 - **4 राज्य** और 1 केंद्र शासित प्रदेश: जम्मू और कश्मीर, पंजाब, गुजरात, राजस्थान और लद्दाख
- **नेपाल:** कुल सीमा = 1751 किमी
 - **5 राज्य:** उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, सिक्किम, पश्चिम बंगाल
- **म्यांमार:** कुल सीमा = 1643 किमी
 - **4 राज्य:** अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड
- **भूटान:** कुल सीमा = 699 किमी
 - **4 राज्य:** अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम और पश्चिम बंगाल
- **अफगानिस्तान:** कुल सीमा = 106 किमी
 - **1 केंद्र शासित प्रदेश:** लद्दाख

भारतीय मानक मध्याह्न रेखा:

- **भारत की मानक रेखा 82°30'E देशांतर** है जो उत्तर प्रदेश के **मिर्जापुर से होकर गुजरती है** ।
- **इस पर भारत का मानक समय आधारित है जो ग्रीनविच मानक समय रेखा से 5 घंटे 30 मिनट आगे है** ।
- **कर्क रेखा - (23°30'N)** गुजरात , राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल , मिजोरम, और त्रिपुरा से गुजरती है ।

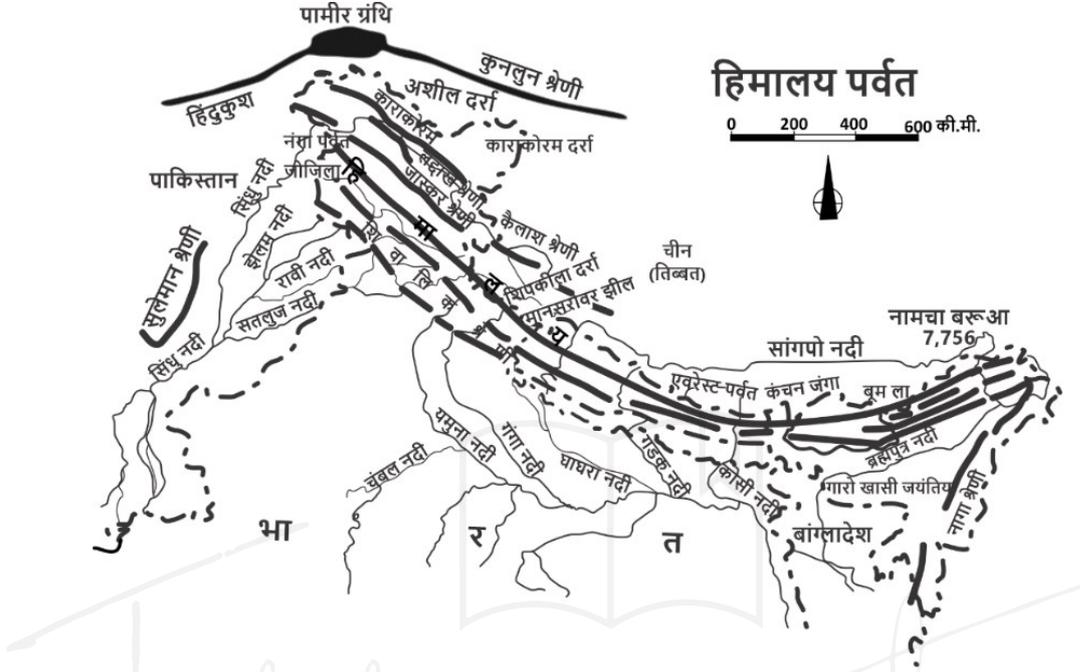
भारत के भौगोलिक प्रदेश

भौतिक विशेषताओं के आधार पर भारत को 6 भौगोलिक भागों में बांटा गया है -

1. उत्तर एवं उत्तरी-पूर्वी पर्वतीय प्रदेश

2. उत्तर का विशाल मैदान
3. तटीय प्रदेश
4. प्रायद्वीपीय पठारी प्रदेश
5. मरुस्थल प्रदेश
6. द्वीप समूह

उत्तर एवं उत्तरी-पूर्वी पर्वतीय प्रदेश



हिमालय पर्वत

- हिमालय विश्व की **सर्वाधिक ऊंची** एवं युवा (नवीन) वलित पर्वत श्रृंखला है।
- भूगर्भीय रूप से, हिमालय युवा, अटढ़ एवं लचीला है क्योंकि इसका **उत्थान एक सतत प्रक्रिया** है।
- यह विशेषता इसे **विश्व के सर्वाधिक भूकंप संभावित क्षेत्रों में से एक** बनाती है
- **लम्बाई** :- हिमालय की लम्बाई पूर्व से पश्चिम दिशा में लगभग 2500 किमी है
- **पश्चिमी छोर** :- नंगा पर्वत (सिंधु नदी के सबसे उत्तरी मोड़ के दक्षिण में स्थित है।)
- **पूर्वी छोर**:- नमचा बरवा (यरलुंग, त्संगपो नदी के मोड़ के पश्चिम में स्थित है)
- **चौड़ाई**: 400 किमी -150 किमी (पश्चिम -पूर्व) ।
- हिमालय की **आकृति** चापाकार अथवा धनुषाकार है । हिमालय का **क्षेत्रफल** लगभग **5,00,000 वर्ग किमी.** है ।
- हिमालय अपने **पूर्वी छोर** एवं **पश्चिमी छोर** पर **दक्षिणवर्ती मोड़** दर्शाता है ।

भौतिक विशेषताएँ

- बहुत **ऊंचे, खड़ी ढलान** वाली **दांतेदार चोटियाँ, घाटियाँ** और वृहद् **हिमनद**।
- **अपरदन** द्वारा कटी हुई **स्थलाकृति** मिलती है ,विशाल नदी घाटियाँ, जटिल भूगर्भिक संरचना और उत्कृष्ट श्रृंखलाएं पाई जाती हैं।
- हिमालय का **बड़ा भाग हिमरेखा के नीचे** आता हैं।
- **पर्वत निर्माण प्रक्रिया अभी भी सक्रिय** हैं।
- यह अत्यधिक मात्रा में **क्षरण** और **भूस्खलन** होते है।

हिमालय पर्वतीय श्रृंखला का विभाजन

उत्तर - दक्षिण हिमालय

1. ट्रांस - हिमालय

- इसका अधिकांश भाग तिब्बत में होने के कारण इसे **तिब्बत हिमालय** भी कहते हैं।
- ट्रांस हिमालय के अन्तर्गत भारत में **काराकोरम, लद्दाख** और **जास्कर** पर्वत श्रेणियाँ **अवस्थित** हैं।
- **स्थिति** :- महान हिमालय के उत्तर में पाया जाता हैं।
- हिमालय से बहुत पहले **जुरासिक और क्रेटेशियस काल** के बीच में इसका **उत्थान** हुआ।
- भौगोलिक रूप से यह **हिमालय का भाग नहीं** हैं।

- पामीर से शुरू होता है।
- गॉडविन ऑस्टेन/काराकोरम (K2) (8,611 m) - विश्व की दूसरी सबसे ऊंची चोटी तथा भारतीय संघ की सबसे ऊंची चोटी काराकोरम श्रृंखला में है।
- लम्बाई - पूर्व - पश्चिम दिशा में 1000 km का विस्तार।
- औसत ऊँचाई - समुद्र तल से 5000m की ऊँचाई पर स्थित।
- औसत चौड़ाई - 40km - 225km
- सियाचिन ग्लेशियर - विहस्व की सबसे ऊंची युद्ध भूमि
- बाल्टारो ग्लेशियर - काराकोरम श्रृंखला में सबसे बड़ा ग्लेशियर।
- काराकोरम दर्रा - 5000m की औसत ऊँचाई पर स्थित; जम्मू कश्मीर के लद्दाख क्षेत्र में हिमालय के काराकोरम श्रेणियों के मध्य स्थित है।
- मुख्य श्रृंखलाएं
 - काराकोरम श्रेणी
 - भारत में ट्रांस हिमालय की सबसे उत्तरी श्रेणी हैं।
 - कृष्णागिरी श्रेणी भी कहा जाता है।
 - पामीर से पूर्व में लगभग 800km तक फैला है।
 - औसत ऊँचाई :- 5,500m या इसे अधिक
 - लद्दाख श्रेणी
 - ज़ास्कर श्रेणी के उत्तर में स्थित हैं।
 - उच्चतम बिंदु - राकापोश - विश्व की सबसे तीव्रतम ढलान वाली चोटी
 - लेह के उत्तर में स्थित।
 - तिब्बत में कैलाश श्रेणी में मिल जाती हैं।
 - महत्वपूर्ण दर्रे - खारदुंगला, और दीगर ला
 - ज़ास्कर श्रेणी
 - केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में स्थित।
 - ज़ास्कर को लद्दाख से अलग करती हैं।
 - औसत ऊँचाई - लगभग 6,000m
 - लद्दाख और ज़ास्कर को मानसून से बचाने के लिए एक जलवायु बाधा के रूप में कार्य करता है - गर्मियों में गर्म और शुष्क जलवायु।
 - प्रमुख दर्रे - मार्बल दर्रा, ज़ोजिला दर्रा।
 - प्रमुख नदियाँ - हानले नदी, खुराना नदी, ज़ास्कर नदी, सुरु नदी (सिंधु) और शिंगो नदी।
 - कैलाश श्रेणी
 - लद्दाख श्रृंखला की उपशाखा।
 - सबसे ऊँची चोटी - कैलाश पर्वत (6714m)
 - सिंधु नदी का उद्गम कैलाश श्रेणी के उत्तरी ढलानों से होता है।

2. वृहद हिमालय

- इन श्रेणियों को आंतरिक हिमालय अथवा हिमाद्री भी कहते हैं।
- इसकी औसत चौड़ाई 25Km तथा औसत ऊँचाई 6100m है।
- हिमालय की लगभग सभी ऊँची चोटियों जैसे माउंट एवरेस्ट, कंचनजंगा, नंगा पर्वत इसी भाग में स्थित है जिनका निर्माण पूर्ववर्ती नदियों द्वारा किया गया है, अन्यथा हिमालय पर्वतीय प्रणाली में यह सबसे अधिक नियमित (continuous) पर्वत श्रेणी है।
- विस्तार - नामचा बरवा पर्वत से नंगा पर्वत (2400km)- दुनिया में सबसे लम्बी पर्वत श्रेणियों में से एक।
- नंगा पर्वत - उत्तर-पश्चिम
- नामचा बरवा - उत्तर-पूर्व।
- कार्यांतरित और अवसादी चट्टानों से बने।
- अन्तर्भाग- महास्कंध (Batholith) में मेग्मा (प्रेनाइटिक मेग्मा) अतिक्रमण करता है।
- उच्च संपीड़न के कारण विषम सिलवटें हैं और उनके पूर्वी भाग में खंडित चट्टानें हैं।
- विश्व की 28 सबसे ऊँची चोटियों (> 8000m) में से 14 यहाँ स्थित हैं।
- प्रमुख दर्रे- ज़ोजिला दर्रा (श्रीनगर को लेह से जोड़ता है), शिपकी ला, बुर्जिल दर्रा, नाथू ला दर्रा आदि।
- प्रमुख हिमनद :- रोंगबुक हिमनद, (सबसे बड़ी हिमाद्री), गंगोत्री, ज़ेमू आदि।
- लघु हिमालय से दून नामक तलछट से भरी अनुदैर्घ्य घाटियों द्वारा अलग।
 - जैसे :- पाटली दून, चौखम्बा दून, देहरादून

3. मध्य / लघु हिमालय/ हिमाचल हिमालय

- दक्षिण में शिवालिक और उत्तर में वृहद हिमालय के मध्य स्थित।
- अत्यधिक संकुचित और परिवर्तित चट्टानों से बना है।
- औसत ऊँचाई :- 1300-1500 m
- औसत चौड़ाई :- 50 से 80 Km तक
- पीर पंजाल श्रेणी - सबसे लम्बी
 - झेलम - ऊपरी ब्यास नदी से शुरू हो कर 300 km से अधिक तक फैली हुई है।
 - 5000 m तक ऊंची है और इसमें ज्यादातर ज्वालामुखी चट्टानें हैं।
 - दर्रे:- पीरपंजाल दर्रा (3,480m), बनिहाल दर्रा (4,270m), गुलाबगढ़ दर्रा (3,812 m) और बनिहाल दर्रा (2,835 m)।
 - नदी :- किशनगंगा, झेलम और चेनाब।
 - सबसे महत्वपूर्ण श्रेणी - धौलाधर और महाभारत श्रेणी।

- कश्मीर की प्रसिद्ध घाटी , हिमाचल प्रदेश में काँगड़ा और कुल्लू घाटी शामिल हैं।
✓ पहाड़ी क्षेत्रों के लिए जाना जाता है।
- झेलम और चिनाब नदी द्वारा अपरदन ।

• धौलाधर श्रेणी

- हिमाचल प्रदेश के पीरपंजाल में विस्तार - और रावी नदी के द्वारा इस शृंखला को काटा जाता है।

• मसूरी श्रेणी

- सतलुज और गंगा नदी को अलग करती हैं।
- दक्षिण ढलान खड़ी और वनस्पति रहित (मिट्टी के निर्माण को रोकता) और उत्तरी ढलान अधिक मंद और जंगल से ढकी हैं।

4. उप हिमालय / शिवालिक

- इन श्रेणियों को बाह्य हिमालय भी कहते हैं।
- औसत चौड़ाई: हिमाचल प्रदेश में 50Km से अरुणाचल प्रदेश में 15Km तक
- औसत ऊँचाई - 900m से 1500m
- महान मैदान और लघु हिमालय के बीच स्थित हैं।
- लम्बाई - 2 400km -पोठोहार /पोठवार पठार से ब्रह्मपुत्र घाटी तक ।
- दक्षिणी ढलान -खड़ी
- उत्तरी ढलान -मंद
- 80-90 किमी (तिस्ता और रैदक नदी की घाटी) को छोड़कर लगभग अखंड ।
- उत्तर - पूर्वी भारत से लेकर नेपाल तक घने जंगलों से आच्छादित।
- पंजाब और हिमाचल प्रदेश के दक्षिणी ढलान लगभग जंगल विहीन हैं।
- घाटियाँ- अभिनति और पहाड़ियों - अपनति का हिस्सा हैं।
चोस:- पंजाब में शिवालिक पहाड़ियों से जुड़े हुए मैदान ऊपरी भाग में स्थित नदियों का जाल।

विभिन्न नाम

क्षेत्र	शिवालिक के नाम
जम्मू क्षेत्र	जम्मू पहाड़ी
डाफला, मिरि, अबोर और मिशमी पहाड़ी	अरुणाचल प्रदेश
ढांग शृंखला और डुंडवा शृंखला	उत्तराखंड
चुरिया घाट पहाड़ी	नेपाल

A. पश्चिम-पूर्वी हिमालय (नदी के आधार पर)

नदी घाटियों के आधार पर सर सिडनी बर्ार्ड द्वारा विभाजित

(i) कश्मीर/पंजाब/हिमाचल हिमालय

- सिंधु और सतलुज नदी के बीच स्थित।
- लम्बाई :-560 km
- चौड़ाई :-320 km
- ज़ास्कर श्रेणी:- उत्तरी सीमा

- शिवालिक श्रेणी:- दक्षिणी सीमा
- कटक और घाटी स्थलाकृति इसकी विशेषता हैं
- प्रमुख गोखुर झील :- वुलर झील , डल झील
- "वेल ऑफ कश्मीर" ("Vale of Kashmir") भी कहते हैं।
- गर्मियों में 100cm वर्षा होती हैं और सर्दियों में बर्फबारी होती हैं ।
- कश्मीर का एक मात्र प्रवेश द्वार - बनिहाल दर्रा - जवाहर सुरंग (भारत की दूसरी सबसे बड़ी सुरंग)
- प्रमुख दर्रा :- बुर्जिल दर्रा, ज़ोजिला दर्रा |

(ii) कुमाऊं हिमालय

- सतलुज और काली महाखड्ड (गोर्ज) के बीच में स्थित।
- लम्बाई -320km
- प्रमुख पर्वत शृंखला :- नागटिब्बा, धौलाधर, मसूरी, वृहद हिमालय के अन्य भाग।
- प्रमुख चोटी-नंदादेवी कामठ, बद्रीनाथ, केदारनाथ,
- प्रमुख नदिया - गंगा, यमुना, पिंडारी,
- विशेषता -
 - सर्दियों में बर्फ गिरना।
 - शंकुधारी वन -3200m के ऊपर ,देवदार वन - 1600 -3200m के बीच में पाए जाते हैं।
 - विवर्तनिक घाटियाँ -कुल्लू, मनाली , और काँगड़ा .
 - भूकंप और भूस्खलन की अधिक संभावना

(iii) नेपाल / मध्य हिमालय

- लम्बाई - 800km
- पश्चिम में काली और पूर्व में तीस्ता नदी के बीच स्थित हैं।
- महान/वृहद हिमालय की इस भाग में ऊंचाई सर्वाधिक होती हैं।
- प्रमुख चोटिया - माउंट एवरेस्ट, कंचनजंगा, मकालू, अन्नपूर्णा, गोसाईनाथ और धौलागिरी ।
- प्रमुख नदी - घाघरा , गंडक , कोसी
- प्रमुख घाटी - काठमांडू और पोखर झील घाटी ।

“

हिमालय पर्वत की चोटियाँ पश्चिम से पूर्व की ओर हैं।

- Mnemonic:-"k2 NDA EVM KAN(can)" K-k2 K-kamet N-Nandadevi D-Dhaulagiri A-Annapurna EV-Everest M-Makalu KA-Kanchanjanga N-Namcha barva (कामेट, नंदादेवी, धौलागिरी, अन्नपूर्णा, एवरेस्ट, मकालू, कंचनजंगा, नामचा बरवा)

”

(iv) असम/पूर्वी हिमालय

- लम्बाई -750km
- पश्चिम में तीस्ता और पूर्व में ब्रह्मपुत्र (दिहांग गोर्ज) के बीच स्थित हैं।
- मुख्य रूप से अरुणाचल प्रदेश और भूटान में स्थित हैं।

- **संकीर्ण अनुदैर्घ घाटियाँ** पायी जाती हैं।
- **वर्षा** > 200cms
- **महत्वपूर्ण चोटियाँ** - नामचा बरवा (7756m), कूला कांगरी (7554 m), जोमोल्हारी (7327 m) ।
- **प्रमुख पर्वत** - अक पर्वत, डफला पर्वत, मिरि पर्वत, अबोर पर्वत, मिशमी पर्वत और नामचा बरवा, पटकाई बूम, मणिपुर पर्वत ब्लू माउंटेन, त्रिपुरा और ब्रेल श्रेणी।
- **प्रमुख दर्रा**
 - बोमडिला, योंग्याप दर्रा, दिफू, पांगसाओ, सेला, दिहांग, देबांग, तुंगा और बोम ला

(v) **अरुणाचल हिमालय**

- **पूर्वी हिमालय की पूर्वी सीमा** बनाता है।
- **नामचा बरवा** - अरुणाचल प्रदेश के पूर्व में।
- हिमालय पर्वतमाला **पश्चिम कामेंग जिले** में **भूटान से अरुणाचल प्रदेश** में प्रवेश करती है।
- **विशेषताएं:**
 - ऊँचे कटक और गहरी घाटियाँ
 - **ऊंचाई** - समुद्र तल से 800 मीटर से 7,000 मीटर।
 - भूटान हिमालय के **पूर्व से विस्तारित** - पूर्व में दीफू दर्रा।

- **ब्रह्मपुत्र** जैसी तेज बहने वाली नदियों द्वारा **विच्छेदित** जो नामचा बरवा को पार करने के बाद एक गहरी घाटी से बहती है।
 - **बारहमासी** - देश में उच्चतम पनबिजली क्षमता।
- **प्रमुख जनजातियाँ**- मोनपा, अबोर, मिशमी, न्याशी और नागा- झूमिंग कृषि करते हैं।

(vi) **पूर्वांचल हिमालय**

- भूगर्भीय रूप से **हिमालय का हिस्सा** माना जाता है
- इसमें **संरचनात्मक अंतर** हैं, इसलिए मुख्य हिमालय पर्वतमाला से अलग हैं।
- **ब्रह्मपुत्र** घाटी के **दक्षिण** में स्थित है।
- **अराकान योमा** पर्वत **निर्माण प्रक्रिया** से संबंधित हैं।
- **ठीली, खंडित तलछटी चट्टानें** जैसे शेल, मडस्टोन, बलुआ पत्थर, क्वार्ट्जाइट पायी जाती हैं।
- हिमालय का **सर्वाधिक खंडित भाग**।
- **नागा भ्रंश रेखा** - भूकंप और भूस्खलन वाला क्षेत्र।
- **वर्षा** - 150-200 सेमी
- **घने जंगल** पाए जाते हैं।
- **ऊंचाई** उत्तर से **दक्षिण की ओर घटती** जाती है।
- निचली पहाड़ियाँ में **झूम खेती** प्रचलित है।

• **प्रमुख पहाड़ियाँ:**

डफला पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> • स्थिति : तेजपुर का उत्तरी भाग और उत्तर लखीमपुर • पश्चिम में आका पहाड़ी और पूर्व में अबोर श्रेणी से घिरा है।
अबोर पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> • स्थिति : भारत के पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश का क्षेत्र, चीन सीमा के पास • मिशमी पहाड़ी और मिरी पहाड़ी से घिरा। • ब्रह्मपुत्र की एक सहायक नदी दिबांग नदी द्वारा अपवाहित।
मिशमी पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> • स्थिति: वृहत हिमालय पर्वतमाला का दक्षिणी विस्तार। • उत्तरी और पूर्वी हिस्से चीन से सीमा बनाते हैं।
पटकाई बूम पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> • स्थिति : भारत की पूर्वोत्तर सीमा (अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार के बीच) में पाया जाता है। • ताई-अहोम भाषा में - "पटकाई" का अर्थ - "चिकन काटने के लिए" • उन्हीं विवर्तनिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न हुआ जिसके परिणामस्वरूप मेसोजोइक में हिमालय का निर्माण हुआ। • शंकाकार चोटियाँ, खड़ी ढलान और गहरी घाटियाँ हैं • हिमालय की तरह उबड़-खाबड़ नहीं हैं। • पूरा क्षेत्र बलुआ पत्थरों से और जंगलों से घिरा हुआ है।
नागा पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> • स्थिति : म्यांमार में विस्तार; भारत और म्यांमार के बीच विभाजन बनाता है। • सबसे ऊँची चोटी - सारामाती। • भारी मानसूनी वर्षा और घने जंगल
मणिपुर पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> • स्थिति : नागालैंड के उत्तर में, मिजोरम के दक्षिण में, पूर्व में ऊपरी म्यांमार और पश्चिम में असम। • मणिपुर और म्यांमार के बीच में सीमा बनाती हैं। • लोकटक झील - विश्व का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान है। • यहां केबुल-लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान स्थित है।
मिज़ो पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> • स्थिति - दक्षिण-पूर्वी मिजोरम राज्य। • पूर्व में लुशाई पर्वत के नाम से जाना जाता था • सबसे ऊँचा भाग- नीला पर्वत। • उत्तरी अराकान योमा प्रणाली का हिस्सा।

	<ul style="list-style-type: none"> मोलासेस बेसिन के नाम से भी जाना जाता है - नरम गैर-समेकित निक्षेपो से बना है। झूम कृषि और कुछ जगह वेदिका कृषि की जाती हैं।
त्रिपुरा पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> यह उत्तर-दक्षिण समानांतर वलयित पहाड़ियों की श्रृंखला है, जिनकी ऊंचाई दक्षिण की ओर घटती जाती है। गंगा-ब्रह्मपुत्र तराई (उर्फ पूर्वी मैदान) में विलय हो जाती हैं।
मिकिर पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> स्थिति - काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, असम के दक्षिण में। कार्बी-मेघालय पठार का हिस्सा। मिकिर पहाड़ी- असम की सबसे पुरानी भू-आकृति। अरीय अपवाह प्रणाली प्रमुख नदियाँ- धनसिरी और जमुना सबसे ऊँची चोटी - दाम्बुचको/ डंबुचको
गारो पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> स्थिति : मेघालय राज्य। सबसे ऊँची चोटी: नोकरेक चोटी।
खासी पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> मेघालय में गारो-खासी श्रेणी का हिस्सा। चेरापूँजी - पूर्वी खासी पहाड़ी सबसे ऊँची चोटी: लुम शिलॉन्ग
जयंतिया पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> स्थिति : खासी पहाड़ियों से पूर्व की ओर
बरेल पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> स्थिति : उत्तरी कछार पहाड़ी । पटकाई श्रेणी का दक्षिण-पश्चिमी विस्तार दक्षिणी नागालैंड और उत्तरी मणिपुर के कुछ हिस्सों से मेघालय के जयंतिया हिल तक दक्षिण-पश्चिम दिशा में चलती है।
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पूर्वी हिमालय का विस्तार है।	

भारत के प्रमुख हिमनद:

हिमनद	स्थान	लंबाई
सियाचिन	काराकोरम	75 किमी
सासायनी	काराकोरम	68 किमी
हिस्पर	काराकोरम	61 किमी
बियाफो/ बिआफ्रो	काराकोरम	60 किमी
बाल्तोरो	काराकोरम	58 किमी
चोगो लुंग्मा	काराकोरम	50 किमी
खुर्दाप्लो	काराकोरम	47 किमी
रीमो	कश्मीर	40 किमी
पुनमाह	कश्मीर	27 किमी
गंगोत्री	उत्तराखंड	26 किमी
जेमू/ ज़ीमू	सिक्किम/नेपाल	25 किमी
रूपाल	कश्मीर	16 किमी
दमीर	कश्मीर	11 किमी

हिमालय के महत्वपूर्ण दर्रे

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के दर्रे:

बनिहाल दर्रा (जवाहर सुरंग)	<ul style="list-style-type: none"> जम्मू और कश्मीर में एक लोकप्रिय दर्रा। पीर-पंजाल श्रेणी में स्थित है। बनिहाल को काजीगुंड से जोड़ता है।
जोजीला	<ul style="list-style-type: none"> श्रीनगर को कारगिल और लेह से जोड़ता है। सीमा सड़क संगठन- विशेष रूप से सर्दियों के दौरान सड़क को साफ और रखरखाव करता है।

बुर्जिल दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> श्रीनगर- किशन गंगा घाटी
पेन्सी ला	<ul style="list-style-type: none"> कश्मीर की घाटी को लद्दाख के देवसाई मैदानों से जोड़ता है। कश्मीर घाटी को कारगिल से जोड़ता है। वृहद हिमालय में स्थित है।
पीर-पंजाल दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> जम्मू से श्रीनगर का पारंपरिक दर्रा। बंटवारे के बाद बंद कर दिया गया है। जम्मू से कश्मीर घाटी के लिए सबसे छोटा सड़क मार्ग
काराताघ दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> काराकोरम पर्वत में स्थित है। प्राचीन रेशम मार्ग का सहायक मार्ग।
खारदुंग दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> देश में सबसे ऊंचा मोटर वाहन चलने लायक दर्रा (5602 मीटर)। लेह और सियाचिन ग्लेशियरों को जोड़ता है। सर्दियों के दौरान बंद रहता है।
थांग ला	<ul style="list-style-type: none"> लद्दाख को तिब्बत से जोड़ता है। भारत में दूसरा सबसे ऊंचा मोटर वाहन चलने योग्य पर्वत दर्रा।
अधिल दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> काराकोरम में माउंट गॉडविन-ऑस्टेन के उत्तर में स्थित। लद्दाख को चीन के झिंजियांग प्रांत से जोड़ता है।
चांग-ला	<ul style="list-style-type: none"> लद्दाख को तिब्बत से जोड़ता है।
लानक ला	<ul style="list-style-type: none"> लद्दाख क्षेत्र में अक्साई चिन।

	<ul style="list-style-type: none"> ● लद्दाख और ल्हासा को जोड़ता है। ● चीनी अधिकारियों ने शिनजियांग को तिब्बत से जोड़ने के लिए एक सड़क का निर्माण किया है।
खुंजराब दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● कश्मीर और चीन ● भारत-चीन सीमा पर स्थित।
इमिस ला	<ul style="list-style-type: none"> ● लद्दाख ● कठिन भौगोलिक भूभाग और खड़ी ढलान। ● सर्दियों के मौसम में बंद रहता है।
परपीक ला	<ul style="list-style-type: none"> ● कश्मीर और चीन ● मितका के पूर्व में भारत-चीन सीमा पर गुजरता है।
मितका दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● कश्मीर और चीन ● भारत-चीन और अफगानिस्तान सीमा का त्रि-संयोजन

“ MP Khake is Pir for The Queen of Kashmir.
 MP: Mintaka Pass and Parpi Pass (मितका दर्रा और परपिक दर्रा)
 • Khunjer: Khunjerab Pass (खुंजेराब दर्रा)
 • Ke: Khardung La (खारदुंग ला)
 • Pir: Pir-Panjol Pass (पीर-पंजाल दर्रा)
 • The: Thang La (थंग ला)
 • Queen: Qara Tag La (कारा टैग ला) ”

हिमाचल प्रदेश के दर्रे

शिपकला दर्रा / शिपकी ला	<ul style="list-style-type: none"> ● सतलुज महाखड्ड से होकर गुजरता है। ● हिमाचल प्रदेश को तिब्बत से जोड़ता है। ● चीन के साथ व्यापार के लिए भारत की तीसरी सीमा चौकी (लिपु लेख और नाथुला दर्रा)
बारा लाचा दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● हिमाचल प्रदेश-लेह-लद्दाख ● जम्मू और कश्मीर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है। ● मनाली और लेह को जोड़ता है।
देब्सा दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● स्पीति और पार्वती घाटी को जोड़ता है। ● हिमाचल प्रदेश के कुल्लू और स्पीति के बीच में स्थित। ● पिन-पार्वती दर्रे का उपमार्ग
रोहतांग दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● उच्च सड़क परिवहन ● कुल्लू, स्पीति और लाहौल को जोड़ता है।

“ Himachal me Rohit Shilpi ko Barana De. ”

- Rohit: Rohtang Pass (रोहतांग दर्रा)
- Shilpi: Shipki La (शिपकी ला)
- Barana: Bara Lacha Pass (बारा लाचा दर्रा)
- De: Debsa Pass (देबसा दर्रा)

उत्तराखंड के दर्रे

लिपुलेख	<ul style="list-style-type: none"> ● उत्तराखंड को तिब्बत से जोड़ता है। ● चीन के साथ व्यापार के लिए महत्वपूर्ण सीमा चौकी। ● कैलाश-मानसरोवर के तीर्थयात्री इसी दर्रे से यात्रा करते हैं।
माना दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● वृहद हिमालय में स्थित है। ● तिब्बत को उत्तराखंड से जोड़ता है। ● सर्दियों के दौरान छह महीने तक बर्फ के निचे ढका रहता है।
मंगशा धुरा दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● उत्तराखंड-तिब्बत को जोड़ता है। ● भूस्खलन के लिए जाना जाता है। ● मानसरोवर के तीर्थयात्री इस मार्ग को पार करते हैं।
मुलिंग ला	<ul style="list-style-type: none"> ● मौसमी दर्रा ● उत्तराखंड को तिब्बत से जोड़ता है ● सर्दियों के मौसम में बर्फ से ढका रहता है।
नीतिदर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● उत्तराखंड-तिब्बत को जोड़ता है। ● सर्दियों के मौसम में बर्फ से ढका रहता है।
ट्रेल दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● पिंडारी ग्लेशियर के अंत में स्थित है। ● पिंडारी घाटी को मिलम घाटी से जोड़ता है। ● खड़ी और ऊबड़-खाबड़ ढाल।

“ Niti Uttar de aur Le Man Mangi Murad ”

- Niti: Niti Pass (नीति पास)
- Uttar: Uttrakhand (उत्तराखंड)
- Le: Lipu Lekh (लिपु लेख)
- Man: Mana Pass (मन पास)
- Mangi: Mangsha Dhura (मंगशा धुरा)
- Murad: Muling La (मुलिंग ला)

सिक्किम के दर्रे

नाथू ला दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● भारत-चीन सीमा पर स्थित है। ● प्राचीन रेशम मार्ग की एक शाखा का हिस्सा है। ● भारत और चीन के बीच व्यापारिक सीमा चौकियों में से एक।
जेलेप ला दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● चुम्बी घाटी से होकर गुजरती है ● सिक्किम को तिब्बत की राजधानी ल्हासा से जोड़ता है।

“ **Sikkim ki Jail me Nathuram**

- Jail: Jelep La (जेलेप ला)
- Nathuram: Nathu La (नाथू ला) ”

अरुणाचल प्रदेश के दर्रे

बोमडिला	<ul style="list-style-type: none"> • अरुणाचल प्रदेश-तिब्बत की राजधानी ल्हासा को जोड़ता है। • भूटान के पूर्व में स्थित है।
दिहांग दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> • अरुणाचल प्रदेश के पूर्वोत्तर में स्थित है। • अरुणाचल प्रदेश को म्यांमार (मांडले) से जोड़ता है।
दीफू दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> • म्यांमार के लिए एक आसान और वैकल्पिक मार्ग। • परिवहन और व्यापार के लिए साल भर खुला रहता है।
लेखपानी	<ul style="list-style-type: none"> • परिवहन और व्यापार के लिए साल भर खुला रहता है। • अरुणाचल प्रदेश को म्यांमार से जोड़ता है।
पंगसौ दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> • अरुणाचल प्रदेश को म्यांमार से जोड़ता है।
यांग्याप दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> • तिब्बत और अरुणाचल प्रदेश को जोड़ता है।
कुमजाँग दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> • अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार को जोड़ता है।
हपुंगन दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> • अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार को जोड़ता है।
चाणकण दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> • अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार को जोड़ता है।

“ **Arun ne Dipawali ke Din Kum Bomb ChalaYe**

- Arun: Arunachal Pradesh (अरुणाचल प्रदेश)
- Dipawali: Dipher Pass (डिफ़र दर्रा)
- Din: Dihang Pass (दिहांग दर्रा)
- Kum: Kumjawng Pass (कुमजाँग दर्रा)
- Bomb: Bom Di La (बॉम डि ला)
- Chala: Chankan Pass (चानकन दर्रा)
- Ye: Yangayap Pass (यांग्याप दर्रा)

1. उत्तर का विशाल मैदान

- सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र और उनकी सहायक नदियों के जलोढ़ निक्षेपों द्वारा निर्मित क्रमिक मैदान।
 - पश्चिम से पूर्व की ओर लगभग 2400 किमी तक फैला है।
- चौड़ाई- असम में 90-100 किमी, राजमहल (झारखंड) के पास 160 किमी, बिहार में 200 किमी, इलाहाबाद के पास 280 किमी और पंजाब में 500 किमी।
 - पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ता है।

- हिमालय और प्रायद्वीपीय क्षेत्र की नदियों द्वारा लाए गए जलोढ़ निक्षेप मुख्य रूप से शामिल हैं।
- अधिकतम गहराई > 8000 मीटर - अंबाला, यमुनानगर और जगाधरी (हरियाणा)।
- दक्षिण-पश्चिम में थार मरुस्थल तक विस्तार।
- दिल्ली कटक (278 मीटर) का एक निचला जलविभाजन + यमुना नदी सतलुज के मैदानों (सिंधु मैदान का एक हिस्सा) को गंगा के मैदानों से अलग करते हैं।

विशाल मैदानों के विभाजन

भारत के उत्तरी मैदानों को उत्तर से दक्षिण की ओर निम्नलिखित भागों में विभाजित किया जा सकता है:

(i) भाबर

- सिंधु से तिस्ता तक उल्लेखनीय निरंतरता के साथ शिवालिक के दक्षिण में।
- बजरी और मिश्रित तलछट से युक्त 8-16 किमी चौड़ी पट्टी का निर्माण करता है।
- ढलान के अचानक खत्म होने के कारण हिमालयी नदियों द्वारा यह अवसाद अग्रभूमि क्षेत्र में जमा कर दिया गया।
- हिमालय की नदियाँ अवसाद को जलोढ़ पंख के रूप में तलहटी में जमा करती हैं।
- सबसे अनूठी विशेषता - छिद्रिलता (porosity)।
 - जलोढ़ पंख में भारी संख्या में कंकड़ और चट्टान के मलबे के जमाव के कारण बंजर या झरझर मैदान का निर्माण होता है।
 - कृषि के लिए उपयुक्त नहीं हैं।

(ii) तराई

- भाबर के दक्षिण में 10-20 किमी चौड़ा दलदली क्षेत्र - समानांतर फैला हुआ है।
- विशाल मैदानों के पूर्वी भागों में ब्रह्मपुत्र घाटी में भारी वर्षा के कारण व्यापक।
- भाबर क्षेत्र की भूमिगत धाराओं का पुनः उदय होता है।
- अधिकांश तराई भूमि (विशेष रूप से पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में) को पुनः प्राप्त कर लिया गया है और समय के साथ कृषि भूमि में बदल दिया गया है।
- उच्च वर्षा होती है और इसमें अत्यधिक आर्द्रता होती है।
- भूमिगत धाराएँ हैं → भूमि दलदली होती हैं।
- गेहूँ, मक्का, चावल, चावल, गन्ना, आदि के लिए उपयुक्त।

(iii) खादर

- कई नदियों के बाढ़ के जलोढ़ मैदानों की नवीन जलोढ़क।
- (पंजाब में) बेट भूमि भी कहा जाता है।
- नदी के किनारे नए जलोढ़ निक्षेप पाए जाते हैं।

1 CHAPTER

दैनिक विज्ञान : महत्वपूर्ण तथ्य

1. कार्बन डेटिंग विधि जीवाश्मों की आयु निर्धारित करने के लिए अपनाई जाती है।
2. अत्यधिक शराब का सेवन करने से शरीर में यकृत विशेष रूप से प्रभावित होता है।
3. शरीर में प्लीहा रक्त बैंक का काम करता है।
4. हरे पौधों में प्रकाश संश्लेषण की इकाई क्वाण्टोसोम कहलाती है।
5. शरीर में रक्त की सफेद कणिकाओं का मुख्य कार्य शरीर को बीमारियों से बचाना होता है।
6. मछली के हृदय में दो प्रकोष्ठ होते हैं।
7. मानव शरीर में रक्त से अवांछनीय पदार्थों को पृथक् करने का कार्य वृक्क करता है।
8. चालीस वर्ष पूरे हो जाने पर चर्चित "अस्सरा" एक नाभिकीय रिएक्टर है।
9. डायनेमो का कार्य यांत्रिक ऊर्जा से विद्युत ऊर्जा का उत्पादन करना है।
10. पिचब्लेण्डी से रेडियम तत्व प्राप्त किया गया था।
11. गिरगिट की त्वचा में रंग बदलने का कारण उसकी त्वचा में मेलेनोफोर नामक असंख्य रंगद्रव्य कोशिकाओं की उपस्थिति है।
12. प्रकृति में सबसे अधिक मात्रा में पाए जाने वाला कार्बनिक यौगिक सेल्यूलोज है।
13. वृद्धावस्था का अध्ययन विज्ञान की जिरोन्टोलॉजी शाखा के अन्तर्गत किया जाता है।
14. डोलोमाइट कैल्शियम का अयस्क है।
15. खट्टे फलों में विटामिन बी (B6) पाया जाता है।
16. ध्वनि की तीव्रता मापने वाला यंत्र ऑडियोमीटर कहलाता है।
17. दूध का खट्टा होना जीवाणुओं के कारण होता है।
18. श्वेत प्रकाश के वर्णक्रम में प्रिज्म द्वारा सर्वाधिक विचलित होने वाला रंग बैंगनी रंग है।
19. रेफ्रीजरेटर में प्रशीतक फ्रे ऑन गैस होती है।
20. दूध से दही बनाने में लैक्टोबैसिलस बैक्टीरिया सहायक होता है।
21. वृक्क के कार्य न करने पर डाइलिसिस किया जाता है।
22. मनुष्य के मस्तिष्क का सबसे बड़ा भाग प्रमस्तिष्क होता है।
23. राइफल चलाने पर लगने वाला झटका रेखीय संवेग के संरक्षण का उदाहरण है।
24. प्रयोगशाला में सर्वप्रथम जीन का संश्लेषण करने वाले वैज्ञानिक हरगोविन्द खुराना थे।
25. चन्द्रमा पर वायुमण्डल न होने के कारण वहाँ सभी गैसों का वर्ग माध्य मूल वेग उनके पलायन वेग से अधिक होता है।
26. क्लोरेला कोशिकीय शैवाल का उपयोग अन्तरिक्ष में खाद्य की समुचित पूर्ति के लिए किया जाता है।
27. प्राकृतिक रबर आइसोप्रीन का बहुलक है।
28. द्रव्य की चौथी अवस्था प्लाजमा कहलाती है।
29. प्रत्यावर्ती धारा की माप तप्त तार अमीटर से की जाती है।
30. प्रकाश तरंगों के ध्रुवण गुण से उनके अनुप्रस्थ होने का प्रमाण मिलता है।
31. एक वृत्ताकार वलय का गुरुत्व केन्द्र वलय वृत्त के केन्द्र पर होता है।
32. मानव रक्त का pH मान 7.4 होता है।
33. खनिज संरचना की दृष्टि से हीरा कार्बन होता है।
34. ग्रह गति का सिद्धान्त केप्लर ने प्रतिपादित किया।
35. हाइड्रोजन बम नाभिकीय संलयन सिद्धान्त पर आधारित है।
36. प्रोटॉन की खोज रदरफोर्ड ने की थी।
37. पानी पृथ्वी पर तीनों अवस्थाओं में पाया जाता है।
38. हीरे के सम्बन्ध में कैरेट हीरे के भार का मात्रक होता है।
39. गैल्वेनीकृत लोहे पर जिंक का लेप होता है।
40. भारत में 28 फरवरी को विज्ञान दिवस सी. वी. रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
41. 7 नवम्बर, 1888 ई. को भारत के महान वैज्ञानिक सी. वी. रमन का जन्मदिन है।
42. आयोडीन युक्त नमक का प्रयोग गलगण्ड बीमारी की रोकथाम के लिए किया जाता है।
43. विद्युत मोटर का कार्य विद्युत ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में परिवर्तित करना है।
44. पृथ्वी का औसत घनत्व 5.5 ग्राम / घन सेंटीमीटर है।
45. सूर्य सदैव पूर्व में निकलता है, क्योंकि पृथ्वी पश्चिम से पूर्व की ओर घूमती है।
46. पौधों में वाष्पोत्सर्जन दर के निर्धारण के लिए पोटोमीटर यंत्र का उपयोग किया जाता है।
47. रेड लेड का रासायनिक सूत्र Pb_3O_4 है।
48. मानव शरीर में विटामिन K का निर्माण कोलन में बैक्टीरिया द्वारा होता है।
49. डार्क एवेंजर एक प्रकार का प्रमुख कम्प्यूटर वायरस है।

50. फाइकोलॉजी के तहत विज्ञान की शैवाल शाखा का अध्ययन किया जाता है।
51. विटामिन B_{12} में कोबाल्ट पाया जाता है।
52. मेनिनजाइटिस (तानिका शोध) नामक रोग से मस्तिष्क प्रभावित होता है।
53. मानव शरीर में रक्त का थक्का नहीं बनने का प्रमुख कारण हिपेरिन की उपस्थिति है।
54. चाय बनाने के लिए विद्युत द्वारा केतली में पानी संवहन विधि द्वारा गर्म होता है।
55. वृद्धों के चिकित्साशास्त्रीय अध्ययन को गैरियाट्रिक्स कहा जाता है।
56. हाइपोग्लाइसेमिया नामक रोग रक्त में ग्लूकोज की कमी से होता है।
57. एच.टी.एल.वी. - II नामक वायरस से एड्स रोग फैलता है।
58. मानव शरीर में सबसे छोटी ग्रंथि पिट्यूटरी ग्रंथि है।
59. एन्जाइम मूलतः प्रोटीन है।
60. पित्त का निर्माण शरीर के यकृत में होता है।
61. कृष्ण छिद्र (Black Hole) सिद्धान्त का प्रतिपादन एस. चन्द्रशेखर ने किया था।
62. साइनोकोबालमिन विटामिन B_{12} है।
63. टेट्रा इथाइल लैंड पेट्रोल में एन्टीनॉकिंग रेटिंग (अपस्फोटन की दर) को बढ़ाने के लिए मिलाया जाता है।
64. हीरे की चमक पूर्ण आन्तरिक परावर्तन के कारण होती है।
65. आपेक्षिक आर्द्रता हाइग्रोमीटर द्वारा मापी जाती है।
66. रेटिना पर बनने वाला प्रतिबिम्ब वास्तविक, उल्टा तथा वस्तु से छोटा होता है।
67. पोलिया का टीका सर्वप्रथम जोन्स साल्क ने तैयार किया था।
68. गोबर गैस का मुख्य संघटक मीथेन है।
69. न्यूटन / किग्रा भौतिक राशि त्वरण का मात्रक है।
70. गॉयटर नामक रोग शरीर में आयोडीन की कमी के कारण होता है।
71. वायरोलॉजी में विषाणुओं का अध्ययन किया जाता है।
72. विटामिन C का रासायनिक नाम एस्कार्बिक अम्ल है।
73. सामान्य व्यक्ति का अनुशीलन रक्त दाब 80 मिलीमीटर पारे के बराबर होता है।
74. कैलोमल मरक्युरिक सल्फाइड होता है।
75. सिन्दूर का रासायनिक नाम लैड ट्रेटाऑक्साइड मरक्युरिक सल्फाइड है।
76. 'झूठा सोना' प्रकृति में पाया जाने वाला आयरन सल्फाइड अथवा आयरन पाइराइट्स कहलाता है।
77. पेन्क्रियाटिक जूस में पाया जाने वाला एन्जाइम ट्रिप्सिन है।
78. आँतों में प्रोटीनों को अमीनो अम्ल में अपघटित करने में पेप्सिन एन्जाइम उत्प्रेरक होता है।

79. एस्ट्रो- डी ब्रह्माण्ड के विकास का अध्ययन करने वाला जापानी एक्स रे उपग्रह है।
80. ध्रुवतारे के पृथ्वी के घूर्णन अक्ष की दिशा में स्थित होने के कारण ध्रुवतारा एक ही स्थान पर दिखाई देता है।
81. मानव हृदय सामान्यतः प्रति मिनट 72 बार स्पंदन करता है।
82. स्फिग्रोमैनोमीटर नामक यंत्र से रक्त दाब मापते हैं।
83. सन् 1902 में कार्ल लैन्डस्टीनर ने रक्त समूह की खोज की थी।
84. प्रकाश के प्रकीर्णन के कारण समुद्र का जल नीला दिखाई देता है।
85. प्रोटीन नाइट्रोजन गैस का प्रमुख यौगिक है।
86. इथोलॉजी में जानवरों के व्यवहार का अध्ययन किया जाता है।
87. नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने वाली विश्व की प्रथम महिला विज्ञान के क्षेत्र में मैडम क्यूरी (1930) थी।
88. जहाज के डूबे हुए भाग से हटाए गए पानी का भार सम्पूर्ण जहाज के बराबर होता है, इसलिए वह प्लवन करता है, सूई के द्वारा हटाए गए पानी का भार सूई के भार से कम होता है जिससे सूई पानी में डूब जाती है तथा जहाज पानी में तैरता रहता है।
89. भारत का स्वदेशी निर्मित दूसरी पीढ़ी का पहला उपग्रह इनसेट-2 है।
90. सूर्य के प्रकाश की सहायता से शरीर में विटामिन D का निर्माण होता है।
91. हैली पुच्छल तारा प्रति 76 वर्ष बाद दिखाई देता है।
92. पराश्रव्य तरंगों की सहायता से चमगादड़ें रात में सुरक्षित उड़ती हैं।
93. HIV विषाणु से एड्स रोग होता है।
94. रक्त का थक्का जमाने में विटामिन K सहायक होता है।
95. एम्पियर सेकेण्ड आवेश की मात्रा का मात्रक है।
96. लॉफिंग गैस नाइट्रस ऑक्साइड है।
97. बाह्य चुम्बकीय प्रभावों से वैज्ञानिक यंत्रों की रक्षा लीह कवर में रखकर की जाती है।
98. परमाणु बिजली घरों में नाभिकीय संलयन अभिक्रिया होती है।
99. गामा (γ) किरणों पर किसी प्रकार का आवेश नहीं होता है।
100. शरीर का सम्पूर्ण रक्त वृक्क के माध्यम से सुरक्षित रहता है।
101. हाइड्रोफाइट जलीय पौधों को कहते हैं।
102. दो समान्तर दर्पणों के बीच रखी वस्तु के अनन्त प्रतिबिम्ब बनते हैं।
103. दो समान्तर दर्पणों के बीच रखी वस्तु का सबसे अधिक चमकीला प्रतिबिम्ब दूसरा प्रतिबिम्ब होता है।
104. तेल का जल की सतह पर फैल जाने का कारण तेल का पृष्ठ तनाव जल की अपेक्षा कम होता है।
105. पेन्सिल लैड ग्रेफाइट की बनी होती हैं।
106. सड़क पर चलने की अपेक्षा बर्फ पर चलना कठिन होता है, क्योंकि बर्फ पर सड़क की अपेक्षा घर्षण कम होता है।

107. लोलक घड़ियाँ गर्मियों में सुस्त हो जाती है, क्योंकि लोलक की लम्बाई बढ़ जाती है जिससे घड़ी सुस्त हो जाती है।
108. ऊँचे स्थानों पर पानी 100°C से कबलता है, क्योंकि वहाँ वायुमण्डलीय दाब कम होता है।
109. पीतल, जस्ता और तांबा की मिश्र धातु है।
110. गैसों का दाब ज्ञात करने वाला यंत्र मैनोमीटर कहलाता है।
111. भाभा एटॉमिक रिसर्च सेन्टर ट्रॉम्बे में स्थित है। पाँचवें नाभिकीय रिएक्टर का नाम ध्रुव है।
112. अग्राशयी रस में पाया जाने वाला एन्जाइम ट्रिप्सिन है, जो प्रोटीन या पेप्टेन को छोटे पेप्टाइड्स में बदलता है।
113. मनुष्य में दाद रोग के रोगकारक कवक का नाम माइकोस्पोरम है।
114. स्कर्वी नामक रोग विटामिन C के अभाव के कारण होता है।
115. सबसे भारी धातु ओसमियम है।
116. विद्युत का सबसे अच्छा चालक चाँदी है।
117. पोटैशियम का अयस्क 'कार्नेलाइट' $KCl, MgCl_2 \cdot 6H_2O$ है।
118. यूरेनियम के नाभिकीय विघटन में अन्ततः सीसा प्राप्त होता है।
119. ध्वनि को मापने की इकाई डेसीबल है।
120. स्टेनलेस स्टील क्रोमियम, लोहा और निकेल धातुओं को मिश्रित करके बनाया जाता है।
121. मधुमेह के रोगी के पेशाब में शर्करा की अधिकता होती है।
122. स्वचालित ब्रेक पास्कल के नियम के आधार पर बने है।
123. डी. एन. ए संश्लेषण का प्रतिपादन कॉर्नबर्ग ने किया था।
124. फोटोग्राफी में प्रयुक्त होने वाले हाइपो का रासायनिक नाम सोडियम थायो सल्फेट है।
125. भोपाल गैस दुर्घटना में मिर्क का रिसाव हुआ था इस गैस का पूरा नाम मिथाइल आइसो सायनेट CH_3NCO है।
126. गेहूँ का वैज्ञानिक नाम ट्रिटिकम एस्टिवम तथा ट्रिटिकम वल्गेयर है।
127. ओक्जेनोमीटर से पौधों की रेखीय वृद्धि दर मापी जाती है।
128. कमरे में रखे रेफ्रिजरेटर का दरवाजा खोलने से कमरे का ताप बढ़ जाता है।
129. मनुष्य की श्रव्यता की सीमा 20 हर्ट्ज से 20000 हर्ट्ज तक होती है।
130. हरा कशीश का रासायनिक सूत्र $FeSO_4 \cdot 7H_2O$ है।
131. कैलोमेल का रासायनिक नाम मरक्यूरस क्लोराइड है।
132. विद्युत तीव्रता का मात्रक न्यूटन / कूलॉम होता है।
133. विटामिन E का रासायनिक नाम टोकोफेरॉनल है।
134. भारी जल ड्यूटेरियम ऑक्साइड (D_2O) होता है।
135. ट्राइकोना रोग आँखों से सम्बन्धित रोग है।
136. हेपेटाइटिस-बी वायरस पीलिया रोग के लिए जिम्मेदार है।
137. एपीलेप्सी रोग का सम्बन्ध नाडी संस्थान से है।

138. AB रक्त समूह वाला व्यक्ति A, B, AB तथा O रक्त समूह के व्यक्ति से रक्त ग्रहण कर सकता है।
139. चेचक के टीके की खोज एडवर्ड जेनर ने की थी।
140. दूध एक आदर्श आहार है, लेकिन इसमें आयरन एवं कॉपर तत्वों की कमी होती है।
141. शैलिंग प्रतिशत द्वारा मूँगफली में दानों का प्रतिशत ज्ञात किया जाता है।
142. सानेन बकरी को विश्व की दूध की रानी के नाम से भी जाना जाता है।
143. हस्त चालित चारा काटने की मशीन में फ्लाई व्हील ढलवां लोहे का बना होता है।
144. प्रति सौ ग्राम भैंस के दूध से 90 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है।
145. मनुष्य के रक्त में लाल रंग का कारण हीमोग्लोबिन होता है।
146. मनुष्य में गैस्ट्रिक रस आमाशय से स्तावित होता है।
147. द ओरिजिन ऑफ स्पीशीज पुस्तक डॉर्विन ने लिखी थी।
148. प्रोसेसर की गति मेगाहर्ट्ज या गीगाहर्ट्ज में मापी जाती है।
149. डीटीपी का टीका बच्चों को टिटनेस, डिप्थीरिया तथा हूपिंग कफ से रक्षा के लिए लगाया जाता है।
150. वयस्क मनुष्य में हृदय चक्र का समय 0.8 सेकेण्ड होता है।
151. मछलियों में श्वसन हेतु क्लोम अंग होता है।
152. वाटसन व क्रिक को जीवविज्ञान में नोबल पुरस्कार डीएनए के डबल हैलीकल मॉडल की खोज के लिए दिया गया।
153. बैक्टीरिया की खोज एन्टोनी - वॉन ल्यूवेनहॉक ने की थी।
154. विज्ञान की शाखा एग्रोस्टोलॉजी में घास का अध्ययन किया जाता है।
155. मानव शरीर में विटामिन K का निर्माण कोलन में बैक्टीरिया द्वारा होता है।
156. पीडियाट्रिक्स का सम्बन्ध बच्चों के रोगों से है।
157. हाइपोग्लाइसेमिया रक्त में ग्लूकोस की कमी से होता है।
158. हाइग्रोमीटर से आपेक्षिक आर्द्रता मापी जाती है।
159. हाइड्रोमीटर यंत्र से आपेक्षिक घनत्व मापा जाता है।
160. रासायनिक दृष्टि से चीनी कार्बोहाइड्रेट (सुक्रोज) है।
161. पायराइट खनिज को बेवकूफों का सोना कहा जाता है।
162. एण्टीपायरेटिक दवा बुखार कम करने के लिए ली जाती है।
163. मूत्र का पीला रंग यूरोक्रोम के कारण होता है।
164. हाइपोकोण्ड्रिया अपने स्वास्थ्य के विषय में असामान्य मानसिक चिन्ता की बीमारी है।
165. नेत्रदान में रोगी में आँख के कॉर्निया भाग का प्रतिरोपण किया जाता है।
166. पैलाग्रा रोग नियासिन की कमी के कारण होता है।
167. चन्द्रमा के तल से आकाश का काला दिखना प्रकाश के प्रकीर्णन के कारण होता है।

168. खसरा होने का कारण वायरस है।
169. सामान्य स्थितियों में हृदय से आने वाले रक्त का 24 प्रतिशत भाग शुद्ध होता है।
170. नायलॉन प्लास्टिक्स के आविष्कारक कारोथस थे।
171. रूटाइल टाइटेनियम का अयस्क है।
172. लेड ऑक्साइड का व्यापारिक नाम लिथार्ज है।
173. हिन्दुस्तान ऑर्गेनिक केमीकल्स लिमिटेड कोलाबा (महाराष्ट्र) में स्थित है।
174. स्तनधारी प्राणियों में रक्त का सबसे अधिक तापमान क्ले में होता है।
175. रेडियो एक्टिवता की इकाई बेक्यूरेल है।
176. ध्वनि से संबंधित विज्ञान एकोस्टिक कहलाता है।
177. इलेक्ट्रॉन की विराम ऊर्जा 0.51Mev होती है।
178. प्रदीप्ति घनत्व का मात्रक लक्स (LUX) होता है।
179. बादल का हवा में तैरने का कारण वायु की श्यानता एवं कम घनत्व है।
180. जीवन के उद्भव का प्रथम वैज्ञानिक विवरण ए. आई. ओपेरिन ने प्रस्तुत किया।
181. इन्सुलिन की खोज एफ. जी. बेपिंग ने की थी।
182. सुपर फॉस्फेट उर्वरकों का सूत्र $\text{Ca}(\text{H}_2\text{PO}_4)_2$ है।
183. पानी का अधिकतम घनत्व 4°C पर होता है।
184. ड्रॉप्सी की बीमारी के लिए आजजीमोब मिलावटी तेल उत्तरदायी है।
185. हड्डियों में फॉस्फोरस, कैल्शियम फॉस्फेट के रूप में पाया जाता है।
186. सोनार उपकरण द्वारा ध्वनि तरंगों का प्रयोग करके समुद्र की गहराई मापी जाती है।
187. मूत्र में एल्युमिन आने से वृक्क में गडबड होने की सम्भावना होती है।
188. मैनोमीटर से गैसों का दाब नापते हैं।
189. पाइरोडॉक्सिन विटामिन B_6 का रासायनिक नाम है।
190. चार अर्द्धआयुओं के पश्चात किसी रेडियो एक्टिव पदार्थ का $1/6$ भाग विघटित रह जाएगा।
191. शुष्क छिपाक विटामिन A की कमी के कारण होता है।
192. सोडियम सिलिकेट को सोडियम का वाटर ग्लास कहा जाता है।
193. चुम्बकीय दृष्टि से ऑक्सीजन अनुचुम्बकीय है।
194. रदरफोर्ड ने भौतिकी में प्रोटॉन की खोज की थी।
195. रक्त का थक्का हीमोफीलिया रोग में नहीं जमता।
196. डीएनए (DNA) केन्द्रक में उपस्थित रहता है।
197. आनुवांशिकता की भूमिका ग्रेगर जॉन मेण्डल ने निर्दिष्ट की थी।
198. एक परमाणु द्रव्यमान इकाई (1 AMU) को पूर्ण रूप से ऊर्जा में परिवर्तित करने पर 931Mev ऊर्जा मुक्त होती है।
199. पानी में हवा का बुलबुला अवतल लेंस की भाँति कार्य करता है।
200. इलेक्ट्रॉन-वोल्ट ऊर्जा का मात्रक है।
201. साबुन के बुलबुले में रंग प्रकाश की घटना व्यतिकरण के कारण दिखाई देते हैं।
202. गतिमान आवेश चुम्बकीय क्षेत्र तथा विद्युत क्षेत्र दोनों उत्पन्न करता है।
203. डायनामाइट का आविष्कार अल्फ्रेड नोबेल ने किया था।
204. किसी तारे का रंग तारे के ताप का परिचायक होता है।
205. अर्जेन्टाइट चाँदी का अयस्क है।
206. दूध का pH का मान 6.6 होता है।
207. मनुष्य के शरीर में पित्त यकृत में बनता है तथा गाल ब्लैडर में एकत्रित होता है।
208. मानव शरीर की सबसे छोटी माँसपेशी स्टेपिडयस होती है।
209. हिस्टोलॉजी में ऊतकों का अध्ययन किया जाता है।
210. आयोडीन टिचर आयोडीन का एल्कोहॉली विलयन होता है।
211. रेडियो तरंगें वायुमण्डल के आयनमण्डल से परावर्तित होती हैं।
212. टमाटर का रंग पकने पर क्रोमोप्लास्ट के कारण लाल हो जाता है।
213. पारिस्थितिकी जीव व पर्यावरण के सह-सम्बन्धों से सम्बन्धित है।
214. भारत में अन्तरिक्ष आयोग की स्थापना जून, 1972 हुई।
215. सर्वप्रथम कृत्रिम गर्भाधान भारत में सन् 1942 में प्रारम्भ किया गया।
216. आई राइट विकलांगों का कम्प्यूटर है।
217. पृथ्वी से पलायन वेग का मान 11.2 किमी. / सेकण्ड होता है।
218. इन्द्रधनुष अपवर्तन, विक्षेपण, पूर्ण आन्तरिक परावर्तन का उदाहरण है।
219. पुष्प विभिन्न रंगों के होते हैं, क्योंकि उनमें एन्थोसाइनिन पाया जाता है।
220. सेब का खाने योग्य भाग रसदार थैलामस है।
221. मानव शरीर में एक मिनट में 72 बार हार्ट बीट्स होती है।
222. स्वयं बिना बदले रासायनिक अभिक्रिया की दर में परिवर्तन लाने वाले पदार्थ को उत्प्रेरक कहते हैं।
223. फारेनहॉइट पैमाने के अनुसार पानी का सामान्य क्रथनांक 212°F होता है।
224. समान परमाणु संख्या लेकिन अलग द्रव्यमान संख्या वाले परमाणु समस्थानिक कहलाते हैं।
225. बोकारो स्टील प्लान्ट पूर्व सोवियत संघ के सहयोग से बना है।
226. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी को मनाया जाता है।
227. राइबोफ्लाविन विटामिन - B_2 है।